Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University)
B-4 Qutub Institutional Area, New Delhi- 110016

अंशकालिक कार्यक्रम

(प्रमाण पत्रीय एवं डिप्लोमा)

Part Time Programmes

(Certificate & Diploma)

जैन विद्या प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम 2018

प्रथम पत्र

जैन इतिहास ,साहित्य और संस्कृति

प्रथमपत्रम्			Code -960
इकाई	विषयः जैन इतिहास ,साहित्य और संस्कृति	अंक: 80+20 =100	क्रेडिट(5+1=6)
1.	• जैनधर्म की प्राचीनता , मोहन जोदड़ो, हड़प्पा में जैन संस्कृति • जैन धर्म का प्रागैतिहासिक काल (तीर्थंकर ऋषभदेव से तीर्थंकर अरिष्टनेमि तक) • जैनधर्म की ऐतिहासिकता(तीर्थंकरपार्श्वनाथ और तीर्थंकर महावीर) • प्रमुख जैन शिलालेख परिचय – हाथीगुम्फा , गिरनार	16	1
2.	• भगवान् महावीर के पश्चात् जैन धर्म, गणधर , आचार्य परंपरा • जैन सम्प्रदाय (दिगम्बर,श्वेताम्बर), • उपसंप्रदाय,संघभेद • जैन शिक्षा के प्रमुख केंद्र – श्रवणबेलगोला,वाराणसी,जयपुर,लाडनूँ,अहमदाबाद,वैशाली,दिल्ली आदि	16	1
3.	• जैन संस्कृति के प्रमुख लक्षण और विशेषताएं • जैनधर्म का सामाजिक स्वरूप • जैन उपासना पद्धति • जैन प्राकृत आगम परंपरा	16	1
4.	• प्रमुख जैन पर्व और तीर्थ • जैन कला और पुरातत्व (चित्रकला ,मूर्तिकला और स्थापत्य कला) • प्रमुख जैन सम्राट • प्रमुख जैन विद्वान् तथा स्वतंत्रता सेनानी	16	1
5.	प्रायोगिक – जैन शैक्षणिक, पुरातात्विक, कलात्मक, एतिहासिक, तीर्थ स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण तथा भक्तामारस्तोत्र,महावीराष्टक,णमोकारमंत्र का शुद्ध उच्चारण अभ्यास	16	1
6.	आंतरिकमूल्यांकनम् -(प्राकृतगाथा-संस्कृतश्लोकोच्चारण अभ्यास-5अंक ,संगोष्ठी-5 अंक,मौखिकपरीक्षा-5अंक,उपस्थिति-5अंक)	20	1

द्वितीय पत्र
जैनदर्शन के प्रमुख सिद्धांत

द्वितीयपत्रम्	जैनदर्शन के प्रमुख सिद्धांत		Code -961
इकाई	विषयः	अंक: 80+20 =100	क्रेडिट(5+1=6)
1.	रत्नत्रय- मोक्षमार्ग • सम्यग्दर्शन का स्वरुप, भेद-प्रभेद • सम्यग्ज्ञान का स्वरुप, भेद-प्रभेद • सम्यग्चारित्र का स्वरुप ,भेद प्रभेद	16	1
2.	ज्ञान मीमांसा (आधारभूतग्रन्थ ,प्रत्यक्ष –परोक्ष ज्ञान)	16	1
3.	• तत्त्वमीमांसा (आधारभूत ग्रन्थ ,सात तत्त्व ,नौ पदार्थ) • द्रव्यमीमांसा (आधारभूत ग्रन्थ ,सत्ता का स्वररूप , षड्द्रव्य विवेचन)	16	1
4.	आचारमीमांसा • श्रावकाचार-बारह व्रत , षडावश्यक,सल्लेखना /संथारा • श्रमणाचार- अट्ठाईस मूलगुण ,बाईस परिषहजय	16	1
5.	• अनेकांत का स्वरुप ,भेद-प्रभेद • स्याद्वाद का स्वरुप • सप्तभंग का स्वरुप • नय का सिद्धांत (निश्चय नय और व्यवहार नय)	16	1
6.	आंतरिकमूल्यांकन (प्राकृतगाथा-संस्कृतश्लोकोच्चारण अभ्यास-5 अंक,संगोष्ठी-5 अंक,मौखिकपरीक्षा-5 अंक,उपस्थिति-5 अंक)	20	1

सन्दर्भग्रन्थाः -

1.जैन धर्म – डॉ कैलाशचन्द्र शास्त्री, प्रकाशक – श्री दिगम्बर जैन संघ मथुरा , शान्तिसागर 'छाणी' स्मृति ग्रन्थमाला , प्रथम तल, 247, दिल्ली रोड, मेरठ

2.जैन धर्म और दर्शन- मुनि प्रमाणसागर जी, प्रकाशक- राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली

3.जैन दर्शन मनन और मीमांसा- आचार्य महाप्रज्ञ, प्रकाशक- आदर्श साहित्य संघ, चुरू (राज.)

4.जैन दर्शन – डॉ. महेंद्र कुमार न्यायाचार्य, श्री गणेशवर्णी शोध संस्थान, वाराणसी

5.परमभाव प्रकाशक नयचक्र- डॉ. हुकुमचंद भारिल्ल, टोडरमल स्मारक ,बापू नगर ,जयपुर

28/3/18